२०२४ नारीशक्ति वंधन अधिनियम्

माननीय

माननीय अध्यक्ष श्री, महामहीम राज्यपाल श्री के संबोधन के विषय मे महिला और बालविकास पर ——— , मेरे विचार रखने का आपने ये मौका दिया, उस के लिए मै आपको धन्यवाद व्यक्त करना चाहूंगी।

राज्यपाल श्री ने अपने संबोधन मे नारी शक्ति वंदन अधिनियम की बात कही, हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओ के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय करते हुए,

, Loksabha aur

vidhansabha में महिलाओं को 33 % (निर्धारित) Reservation दिया ।

महीलाओ को राजकीय स्तर पर सशक्त बनाने के लिए ये एक बहुत बडा कदम बनने वाला है।

हमारी सरकार ने पहले ही पंचायत और म्युनिसिपालटी में महिलाओ को 50% reservation दिया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने Self Help group के जरीये 3 लाख लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया हुआ है। ये महिलाओ को आर्थिक स्तर पर सशक्त बनायेगा।

भ्रष्टाचार को खत्म करने

की पहेल होते हुए मोदीजी ने देश मे सिर्फ चार जातिया मानी है ------

गरीब

महिला

युवा

किसान

और इसमे सबसे महत्व की जाति महिला है क्योकि, गरीब मे भी महिला है, युवा मे भी महिला है और किसान मे भी महिला है।

महिलाओ के लिए हमेशा अलग सोचते हुए हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ही हमेशा महिला और

[illegible]

बाल विकास का अलग मंत्रालय बनवाया और हमेशा महिलाए इसका नेतृत्व करते रहे वो सुनिश्चित किया)

आप गुजरात सरकार की योजनाएं देखेंगे तो पता चलेगा की महिला के जीवन के हर एक मुकाम के लिये कोई ना कोई योजना बनायी गई है। यानी की हर योजना उम्र की जरूरत के हिसाब से सोच के बनायी हुई है।

इसमें कोई संदेह नहीं की हमारी Double engine सरकार महिला

हित के लिए समर्पित है।
प्रधानमंत्री श्री राजकीय और आर्थिक स्तर पर जब इतना कुछ कर रहे हैं तब हर एक पुरुष की जिम्मेदारी बनती है, कि वो अपने घर से सामाजिक और मानसिक स्तर पर समानता लाने के लिए प्रयत्न करे। सामाजिक स्तर पर उन्हें समानता मिले उसके लिए हमें अपनी सोच में समानता लानी पडेगी।

एक पिता, एक पति और एक भाई के तौर पर राज्य के हर एक पुरुष को ये

सोचने की जरूरत है।

संविधान महिलाओं को जो
समानता दे रहा है वही
समानता हम मानसिक स्तर
पर अपनी माताओं, बहनों और
पत्नीओं को दे रहे है क्या?

(Question mark ...
। Pause)

जब तक एक भी पुरुष
यही समजेगा की महिला ओं
का काम सिर्फ बच्चे पैदा
करना, उन्हें संभालना, घर
संभालना और खाना
बनाना है, तब तक हमें
महिला समानता के लिए
प्रयत्न करना पडेगा। तब

तो क्या हम चाह[illegible] [illegible]

सरपंच पति और Corporator पति मिलते रहेंगे

– आज हम मानते है की महिलाए एक अच्छी Dr ho sakti h, achi vakil ho sakti h, achi manager ho sakti h, वहा उनको कोई पुरुष की राय की जरुरत नही पडती

तो महिलाए अच्छी सरपंच, अच्छी Corporator, अच्छी विधानसभ्य भी बन सकती है वहा भी उन्हे पुरुषो की राय की जरुरत नही होती ......

ये सोच जब हम
बदलेंगे पायेंगे तभी मोदीजी
का महिला समानता का
स्वप्न पूर्ण होगा

और इसकी शुरुआत
हमें अपने घर से
करनी पड़ेगी -----

जय गरीब
जय महिला
जय युवा
जय किसान ।